आगामी पंचवर्षीय योजना

ललित कला एवं संगीत विभाग,

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर

आगामी पंचवर्षीय दृश्यकला एव मंचकला हेतु नवीन पाठ्यक्रम जो राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षण संस्थानों में पढाये जाते हैं किन्तु दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय,गोरखपुर के ललित कला एवं संगीत विभाग में सन 1958 से लेकर अबतक जिस पाठ्यक्रम को पढ़ाया जाता है उसके स्थान पर ललित कला एवं संगीत विभाग, के पाठ्यक्रम समिति द्वारा स्वीकृति एवं अनुमोदित संकाय के रूप में तथा पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय स्तर के समकक्ष बनाया गया जिसे माननीय मुख्यमंत्री परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज भी द्वारा उक्त समस्त ललित कला एवं संगीत विभाग के पाठ्यक्रम को उत्तरप्रदेश के महामहीम के मंशानुशारव् उच्चशिक्षा अनुभ- 4, को प्रेषित किया गया कि उक्त समस्त पाठ्यक्रम एवं संकाय के अनुमोदन को उच्चशिक्षा से पारित कर तत्काल स्वीकृति करते हुए महामहीम को स्वीकृतार्थ प्रेषित किया गया जाय। उक्त पत्र के मंशानुशार दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने भी उक्त पत्र के अनुरूप जोभि उच्चशिक्षा द्वारा प्रश्न पूछे गए थे उसका जबाब दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुल सचिव द्वारा उच्चशिक्षा को प्रेषित कर दिया गया था। इसी आधार पर आगामी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत संकाय के रूप में नवीन पाठ्यक्रम को जो दृश्य कला एव मंचकला विषय हेतु बनाया गया था उसका सम्यकरूपेण अध्ययन / अध्यापन का सन्चालन करना,शोधकार्य को राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर लेजाना, राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर के कलाकार– विद्वानों द्वरा कलागत कार्यशाला / संगोष्ठी कराना, ललितकलाओं में रोजगार परक योजनाओं को सम्मलित करना,कला/क्राफ्ट मेला,टेराकोटा,मूर्तिकला,पेंटिंग,पोस्टर,टेक्सटाइल,फोटोग्राफी,संगीत,लोक संगीत तथा शास्त्रीय संगीत,गायन–वादन, के कला और कलाकारों को राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित करना। उक्त से सम्बंधित तमाम प्रकार की प्रतियोगिताओं को आयोजित करना, जिससे आर्थिक और सामाजिक स्तर में सुधर हो सके और समाज से जुड़ सके। उपरोक्त विषयों को आगामी पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों कों सुलभ करा सकें।